डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 15 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 23 अक्टूबर 2024 | मूल्य 2 रुपया

जमीन विवाद में दो पक्षों में मारपीट, 9 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दो परिवारों में जमीन विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों के 9 लोगों पर क्रास प्रकरण दर्ज किया। संजीत निवासी प्रकाश पिता रोडमल राठौर ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि जमीन विवाद को लेकर भाईयों का विवाद नारायणगढ कोर्ट में चल रहा है। इसी विवाद के चलते भाई मोहनलाल, सुरेशचन्द, राजकुमार पिता मोहनलाल व जीवन पिता मोहनलाल, सक्खूबाई पति मोहनलाल ने गाली-गलौज कर मारपीट की। बीच-बचाव करने आई मेरी पत्नी दुर्गाबाई व बेटे लक्की के साथ भी लकडियों से मारपीट की। जिससे चोंट आई। पुलिस ने पांचों आरोपियों पर केस दर्ज किया। इसी तरह जीवन पिता मोहनलाल राठौर ने शिकायत दर्ज कराई कि जमीन विवाद के झगडे में काका प्रकाश राठौर, लक्की व पंकज पिता प्रकाश, दुर्गाबाई पति प्रकाश ने गाली-गलौज की व लात-घुसों से पीटा। बीच-बचाव करने आई मेरी मां सक्खूबाई को भी पीटा, जिससे चोंट आई। पुलिस ने चारों पर केस दर्ज किया।

नापतौल विभाग: न हेल्प लाईन नंबर न पोर्टल या ऐप

शिकायत करने की ऑनलाईन व्यवस्था भी नहीं

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। एक ओर सरकार ऑनलाईन व्यवस्था पर जोर डाल रही है। लगभग सभी विभाग ऑनलाईन की राह पर है, वहीं नापतौल विभाग पुराने ढर्रे पर ही कायम है। न शिकायत ऑनलाईन हो सकती है न इस विभाग का हेल्पलाईन नंबर है और न ही विभाग का कोई ऐप है, जिस पर परेशानी को साझा किया जा सके। कार्यालय जाकर लिखित या मौखिक शिकायत की जा सकती है। शिकायत का कितना निराकरण होता है, यह बताने की जरुरत नहीं है। कुल मिलाकर आजादी के पहले के समय की तरह यह सरकारी विभाग चल रहा है।

उपभोक्ताओं से सीधे संबंध रखने वाले नाप-तौल विभाग में अब भी परंपरागत तौर पर ही शिकायत दर्ज करने की व्यवस्था है। जबकि, लगभग सभी विभाग ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर रहे हैं। उपभोक्ताओं को पेट्रोल पंप से लेकर सब्जी खरीदी, किराना लाने, मॉल से खरीदी सहित अन्य जगहों पर कई बार ठगी का शिकार होना पड़ रहा है। वजन कम होने का पता लगने पर जब उपभोक्ता शिकायत करने की सोचता है तो उसे कोई रास्ता नजर नहीं आता। पहले उसे संबंधित विभाग का पता खोजना होता है, फिर कार्यालयीन समय में वहां जाकर लिखित में आवेदन देना होता है। इसके बाद संबंधित विभाग कार्रवाई के लिए निकलता है। लेकिन, आम उपभोक्ता इन सब झमेलों में पड़कर अपना समय बर्बाद करने की बजाय चुप रहना पसंद करता है। उपभोक्ताओं का कहना है कि अगर नाप तौल विभाग भी पोर्टल/मोबाइल ऐप पर शिकायत लेने लग जाए तो लोगों को शिकायतों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इसके अलावा स्थानीय हेल्पलाइन नंबर जारी किए तो और भी सहूलियत होगी।

सीएम हेल्पलाईन में लगता है समय...

कम तौल की शिकायत के लिए उपभोक्ता सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायत कर सकते हैं। इसके माध्यम से संबंधित विभाग को शिकायत ट्रांसफर की जाती है। लेकिन, इसमें भी काफी वक्त लग जाता है, यहां भी त्वरित निराकरण नहीं हो पा रहा है। दूसरी बात यह है कि छोटी-छोटी चीजों के लिए आम आदमी सीएम हेल्पलाइन का सहारा नहीं लेता। स्थानीय स्तर पर ही शिकायत का निराकरण हो जाए , इसी मंशा के कारण उपभोक्ता शिकायत नहीं करते।

यह है नापतौल विभाग के कार्य...

तौल के बांट, नाप एवं माप इत्यादि उपकरणों का समय अवधि में मुद्रांकन/सत्यापन का काम करना, ताकि उपभोक्ताओं को सही मात्रा में सामग्री मिले। समय-समय पर व्यापारिक संस्थान के संचालक एवं अन्य व्यक्ति जो कि नाप, माप उपकरणों का उपयोग करते हैं, उनको निर्धारित अवधि की समाप्ति के पूर्व नोटिस देना तथा उनके उपकरणों का फिर सत्यापन करना। सत्यापन एवं अन्य शुल्क की वसूली करना, बांट, माप, पैकेज, कमोडिटीज का अपने क्षेत्र के अंतर्गत आकस्मिक निरीक्षण करना। निरीक्षण पर त्रुटिपूर्ण एवं नियम विरुद्ध प्रचलित उपकरणों/पैकेजों को जप्त करना और नियमानुसार कार्रवाई करना।

शुरुआत में ही जागी नपा, कलेक्टर को लिखा पत्र...

खेत तैयार होते ही 20 लाख गैलन पानी रोज होगा चोरी

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। बारिश थमने के बाद शिवना नदी पर बने रामघाट बैराज पर कड़ी शटर लगाकर पेयजल को सहेजने का काम शुरु कर दिया गया है। लेकिन, नदी किनारे के खेतो में किसानो द्वारा मोटरे लगाकर पानी चोरी का सिलसिला शुरु करने की तैयारी कर ली गई है। ईट भट्ठों सहित अन्य कार्यो के लिए शिवना में पानी की मोटरें लगाकर पानी चोरी का काम शुरु हो गया है। फिलहाल अभी सख्ती की जरुरत है। इसका कारण है कि खेत तैयार होते ही नदी में से 20 लाख गैलन पानी रोज अवैध रूप से निकाला जाता है। फिलहाल अभी प्रतिबंधात्मक आदेश जारी नहीं किए गए है। इधर नगर पालिका सीएमओ ने कलेक्टर को इस मामले से अवगत कराते हुए पत्र लिखा है।

फिलहाल नपा शिवना नदी में लगाई मोटरें हटाने में ही नाकाम साबित हो रही है। खेत तैयार होने के बाद पानी की चोरी बढ जाएगी। सामान्यत: किसान खेतों में 5 से 10 हार्स पॉवर की मोटरें लगाते हैं। खेतों के लिए अंडरग्राउंड पाइप लाइन तक डालने का काम किया जाता है। जो 300 से 400 मीटर दूर जाकर लोगों के खेतों में पहुंचती है। यदि 5 हार्स पॉवर की 10 मोटरें भी 6 घंटे चलती हैं तो रोज शिवना नदी से 20 लाख गैलन यानी दो दिन में एक सप्लाई जितना पानी चोरी होता है।

इधर मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने कलेक्टर को पत्र लिखकर शिवना नदी और अन्य जलस्त्रोतों से सिंचाई पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध किया है। पत्र में कहा गया है कि वर्तमान में पेयजल संकट की संभावना को देखते हुए शिवना नदी पर बने तीनों बैराजों पर कड़ी शटर लगाकर जल संग्रहण किया गया है। हालांकि, किसानों द्वारा इस संग्रहित जल का सिंचाई के लिए उपयोग शुरू कर दिया गया है, जिससे जल की मात्रा लगातार घटती जा रही है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी ने चिंता जताते हुए कहा है कि अगर इसी तरह जल का दोहन होता रहा तो भविष्य में पेयजल संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए, शिवना नदी के दोनों किनारों पर श्री पशुपतिनाथ मंदिर घाट से राजस्थान की सीमा स्थित कंथार बांध तक के 200 मीटर के क्षेत्र में, बुगलिया नाला और तेलिया तालाब भराव क्षेत्र से सिंचाई पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता है। अधिकारियों ने इस संदर्भ में पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा-3 और संशोधित अधिनियम 2002 का हवाला देते हुए सिंचाई पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी करने का अनुरोध किया है, ताकि आगामी जल संकट से निपटा जा सके और पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

लोकायुक्त:सात हजार की रिश्वत लेते पटवारी धराया

नीमच, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंगलवार को उज्जैन लोकायुक्त की टीम ने एक पटवारी को सात हजार रूपए रिश्वत लेते रंगे हाथों पकडा है। नीमच तहसील के हल्का नंबर 5 के पटवारी दिनेश कुमार चोरड़िया को ग्राम पंचायत भवन घसुंडी बामनी में पकड़ा गया है।

फरियादी किसान पारसमल शर्मा ने अपने पिता को जमीन का तीनों भाइयों में बंटवारा करने के लिए पटवारी को आवेदन दिया था। पटवारी ने जमीन बंटवारा करने के एवज में किसान से 20 हजार की राशि मांगी थी। जिसमें पहली किश्त में 2000 फिर 5000 इसके बाद 6000 रुपए किसान दे चुका था। इसके बाद किसान ने लेनदेन से जुड़ी रिकार्डिंग कर इसकी शिकायत लोकायुक्त से की। लोकायुक्त डीएसपी सुनील तालान ने बताया कि मंगलवार को अंतिम किश्त देने के लिए पटवारी ने किसान को बुलाया था। इसी दौरान पटवारी को लोकायुक्त ने रंगे हाथों पकड़ा है। पटवारी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। लोकायुक्त उज्जैन की टीम में डीएसपी सुनील तालान, निरीक्षक दीपक शेजवार, हितेश लालावत, शिवकुमार शर्मा, उमेश कुमार, श्याम शर्मा शामिल रहे।

भ्रष्टाचार का विरोध– सुवासरा तहसील की ग्राम पंचायत किशोरपुरा में भ्रष्टाचार पर कार्यवाही को लेकर कुछ समय पूर्व मंदसौर के गांधी चौराहे पर धरने पर बैठा व्यक्ति आश्वासन के बाद उठ गया था। किन्तु, उसके उठाए मुद्दो पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। जिससे नाराज होकर मंगलवार को फिर गांधी चौराहा पर भुख हड़ताल पर बैठ गया है। उसका कहना है कि पहले मुझे झूठा आश्वासन देखकर उठा दिया गया था। लेकिन, भ्रष्टाचार पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। इस बार वह कलश व श्री मदभागवत लेकर बैठा है।

कार्टून के किरदार में फंसे बच्चे बन रहे कार्टून..!

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। टीवी या मोबाईल पर कार्टून देखने की लत बच्चों पर भारी पड़ रही है। अब बच्चे भी कार्टून जैसी हरकते करने लगे है। पहले जहां क्रिकेट या अन्य खेल से प्रभावित होकर बच्चे अपनी तुलना संबंधित खेल के किसी बड़े खिलाड़ी से करते थे। लेकिन, अब कार्टून के किरदार में फंस रहे हैं। मीडिया एडिक्शन के शिकार बच्चे डॉक्टरो के पास भी पहुंच रहे हैं। ऐसे बच्चे कार्टून और शो के किसी किरदार को अपनाते हुए उसके कैरेक्टर की तरह व्यवहार करने लगते हैं। इसे इडेंटिफिकेशन कहा जाता है। इसमें बच्चा वर्चुअल वर्ल्ड को ही रियल मानने लगता है। उसी किरदार को अपना आदर्श मानने लगता हैं। उनके व्यवहार और गतिविधियों को अपनाने लगता हैं। ऐसी स्थितियो की रोकथाम के लिए कई शहरो में चाइल्ड गाइडेंस क्लीनिक लग रहे हैं।

इन बच्चों पर ज्यादा खतरा...

जिनके माता-पिता दोनों नौकरी करते हैं। जिससे वे बच्चों को पर्याप्त ध्यान और स्नेह ना दे सकें। जिनके माता-पिता के बीच अकसर तनाव या विवाद होता हो। जिसके कारण बच्चा रियल वर्ल्ड को खराब मानने लगे। जिन बच्चों को स्कूल में साथी बच्चों द्वारा ज्यादा परेशान किया जाता हो।

ऐसे बदलाव दिखें तो रहें सावधान...

बच्चा केवल कुछ दिनों के लिए किरदार की नकल करें। यह गंभीर नहीं है। लेकिन, बच्चे पर ध्यान देना जरूरी है। बच्चा कई हफ्तों या महीनों से किरदार की नकल कर रहा हो। ऐसे में परिजनों को खुद से बच्चों को समझाना चाहिए। लंबे समय से किरदार की नकल कर रहा है। कभी भी और कहीं भी वो अलग बिहेव करे। ऐसे में मनोचिकित्सक की मदद लेनी चाहिए।

रेत निकाल रहा फाइटर चंबल में डूबा !

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। चंबल नदी के किनारे बसे गांवो में रेत माफियाओं ने अभेद किले बनाए हुए है। जिससे नदी का सीना छलनी करते हुए दिन-रात रेत का अवैध खनन अत्याधुनिक ढंग से किया जा रहा है। नाव में लगे इंजन, जनरेटर के साथ नदी में पाईप डालकर मशीनों से रेत खींच रहे हैं। रेत भी नदी किनारे ही स्टॉक करने के बाद फिर बाजार में बेच रहे हैं। मंगलवार को संजीत में नदी का सीना चीर रहा एक फायटर डूब गया। हालांकि, इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। लेकिन, खनिज विभाग की गहरी नींद नहीं खुली।

मामला संजीत के कचहरी पाइंट का है, जहां अवैध तरीके से रेत निकालने के काम में लगा फाइटर डूब गया। मिली जानकारी के अनुसार इस फाइटर में कुछ लोग बैठे भी हुए थे। जानकारी के अनुसार ज्यादा रेत भरने के कारण फाइटर डूब गया। यहां एक बड़ी जनहानी भी हो सकती थी। गांधीसागर का बैक वाटर जो जिले के संजीत क्षेत्र में आता है, यहां कचहरी पाईंट सहित आसपास क्षेत्रों में चंबल के पानी पर नाव में लगी मशीनों से नदी में बड़े पाहप डालकर रेत निकाली जा रही है। इसके अलावा भी जिले में चंबल किनारे बसे गांवो में अवैध रूप से रेत निकालने का काम किया जा रहा है।

त्यौहार पर रहे सावधान : अनजान क्यूआर कोड स्कैन करने पर खाते में लग सकती है सेंध

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कई लोग सायबर धोखाधड़ी का शिकार हो रहे है। इसमें अधिकांश वित्तीय धोखाधड़ी के शिकार है। इनमें से अधिकांश मामले पुलिस तक नहीं पहुंच पाते। अगर पहुंच भी गए तो सायबर ठग पुलिस की सायबर सेल से आठ कदम आगे ही नजर आ रहे हैं। सिर्फ सावधानी और जागरुकता ही ठगी से बचने का एकमात्र रास्ता है। कई लोगों के खाते इसलिए खाली हो जाते हैं, क्योंकि ठगों के ऑफर में वे सब भूल जाते हैं। कुछ सोचे-समझे बिना ठग जैसा कहता है, वैसा ही करने लगते हैं। अजनबी व्यक्ति के कंप्यूटर या लैपटाप में लगे मोबाइल चार्जर में मोबाइल तक लगाना असुरक्षित है। कारण, ठग इस केबल के जरिए मोबाइल चार्जिंग के दौरान मोबाइल में सुरक्षित पासवर्ड और लागिन आईडी चुरा कर ठगी कर सकता है। इस तरह के मामले भी सामने आ चुके हैं। विशेषकर त्यौहार की सीजन में आमजन को इस मामले में पूरी तरह सतर्क रहना चाहिए।

इस तरह करते है ठगी...

लॉटरी फ्राड– लॉटरी निकलने के नाम पर ठग बदले में प्रोसेसिंग शुल्क मांगते हैं। लोग लुभावने ऑफर के लालच में उन्हें 10 से 25 हजार रुपये तक ऑनलाइन भुगतान कर देते हैं।

ऑनलाइन जॉब फ्राड– जॉब के लिए यहां-वहां दिए गए आवेदनों से आपकी जानकारी ठग तक पहुंच जाती है। ठग ह्यूमन रिसोर्स कंपनी के प्रतिनिधि बनकर जॉब देने का ऑफर देते हैं और ऑनलाइन पंजीयन शुल्क मांगते है। शुल्क मिलने के बाद मोबाइल पर कोई जवाब नहीं मिलता। ऐसे में आवश्यक है कंपनी का एक बार सत्यापन कर लें।

इंश्योरेंस में स्पेशल ऑफर– ठग खुद को इंश्योरेंस कंपनी का प्रतिनिधि बताकर सिर्फ एक बार विशेष ऑफर का प्रलोभन देकर अपने खाते में राशि ट्रांसफर करा लेते हैं। जरूरी है कंपनी में बारे में अच्छे से पता करने के बाद ही निवेश करें।

ई मेल से ठगी– ठग पहले आपके किसी रिश्तेदार का नाम पता कर उसके गंभीर बीमारी के उपचार के लिए उसी के मिलते-जुलते नाम से मेल कर राशि मांगते हैं। मेडिकल इमरजेंसी को देखकर लोग बिना पुष्टिकिए दिए गए नंबर पर राशि डाल देते हैं। अगले दिन रिश्तेदार से हाल पूछते हैं तो पता चलता है ई-मेल फर्जी था। ऐसे में सबसे पहले पता करना चाहिए सही में कोई बीमार है या नहीं।

मैसेज एप बैकिंग फ्राड– जालसाज बैंकिंग सुविधाएं देने के नाम पर नया बैंकिंग एप लांच करने की बात कहते हैं। वह आपका मोबाइल नंबर पंजीकृत करने के लिए मैसेज भेजता है। इसके बाद वह सत्यापन के नाम पर डेबिट कार्ड की जानकारी मांगता है। इसके बाद ओटीपी मांगता है और पैसा निकाल लेता है। ऐसी कॉल में बैंक से बात किए बिना कोई प्रतिक्रिया नहीं दें। कार्ड का विवरण और ओटीपी साझा नहीं करें।

द्वितीय पुण्य स्मरण

माँ

आप हमारे बीच नहीं हैं लेकिन आपका प्यार और आशीर्वाद हमेशा हमारे साथ है।
माँ की द्वितीय पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन।

जन्म : 20 अक्टूबर 1929 I अवसान : 23 अक्टूबर 2022

श्रीमती धैर्य प्रभादेवी सोजतिया (धायजी)

(धर्मपत्नी स्वर्गीय डॉ. रावतमल जी सोजतिया)

-: श्रद्धावनत :-

अशोक कुमार सोजतिया, डॉ. हेमन्त कुमार सोजतिया,
सुभाष कुमार सोजतिया, कमलेश सोजतिया
एवं समस्त सोजतिया परिवार (भानपुरा-इन्दौर-भोपाल)

विचार-मंथन

कांग्रेस के साथ ही आगे बढ़ेगा अखिलेश का समाजवाद

सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि उपचुनाव के लिए हुए समझौते के तहत अलीगढ़ की खैर विधानसभा सीट के साथ गाजियाबाद सीट पर कांग्रेस अपना उम्मीदवार उतारेगी। वैसे इसे सपा का डैमेज कंट्रोल भी माना जा रहा है।? कांग्रेस आलाकमान और गांधी परिवार भले ही यूपी से बाहर समाजवादी पार्टी को अपने तेवर दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा हो, लेकिन उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी चाह कर भी कांग्रेस को अनदेखा नहीं कर पा रही है। इसे समाजवादी पार्टी की सियासी मजबूरी कहें या फिर समय की मांग जिसकी वजह से हरियाणा में खाली हाथ रहने के बावजूद समाजवादी पार्टी यूपी में कांग्रेस के साथ रिश्ता बनाए रखेगी। यूपी में उपचुनाव वाली 10 सीटों में सपा 8 पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। शेष दो सीटें उसने कांग्रेस के लिये छोड़ दी हैं। जबकि कांग्रेस पांच सीटों की मांग कर रही थी, वैसे पांच सीटों वाली उसकी मांग तर्कसंगत भी नहीं थी। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने गाजियाबाद और खैर विधानसभा सीट कांग्रेस के लिए छोड़ने का फैसला किया है। यूपी में उपचुनाव वाली 10 सीटों में सपा 8 पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि उपचुनाव के लिए हुए समझौते के तहत अलीगढ़ की खैर विधानसभा सीट के साथ गाजियाबाद सीट पर कांग्रेस अपना उम्मीदवार उतारेगी। वैसे इसे सपा का डैमेज कंट्रोल भी माना जा रहा है। हरियाणा में कांग्रेस की करारी हार के अगले दिन ही सपा ने यूपी में छह सीटों पर उपचुनाव के उम्मीदवार घोषित कर दिए थे। इसे कांग्रेस के नेता नाराज हो गये थे। कांग्रेस के यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय ने भी सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत से इंकार कर दिया था। सूत्रों का कहना है कि गत दिनों जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के शपथ ग्रहण के दौरान राहुल व अखिलेश की मुलाकात के बाद सीट बंटवारे पर सहमति बनी। वैसे कई बार अखिलेश कह चुके हैं कि यूपी में इंडिया गठबंधन जारी रहेगा। बात उम्मीदवारों की कि जाये तो समाजावादी पार्टी ने बसपा के राष्ट्रीय महासचिव मुनकाद अली की बेटी सुंबुल राणा को मुजफ्फरनगर की मीरापुर सीट से उम्मीदवार बनाया है। गत दिवस स्थानीय नेताओं व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सुंबुल का नाम तय किया है। सुंबुल बसपा के पूर्व सांसद कादिर राणा की बहू हैं। कादिर राणा इस समय सपा में हैं। मुनकाद और कादिर का सियासी रिश्ता 2010 में पारिवारिक रिश्ते में बदला था, तब कादिर भी बसपा में थे। 2022 के विधानसभा चुनाव के पहले कादिर सपा में शामिल हो गए थे। मीरापुर सीट सपा के साथ गठबंधन में रालोद ने जीती थी। हालांकि, लोकसभा चुनाव के पहले रालोद ने भाजपा का साथ पकड़ लिया। मीरापुर के विधायक चंदन चौहान के बिजनौर से सांसद बनने के बाद यहां उपचुनाव हो रहा है। सपा अब तक उपचुनाव वाली सात सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। इसमें छह टिकट नेताओं के परिवार में ही गए हैं। अल्पसंख्यकों की भागीदारी का संदेश देने के लिए अखिलेश ने अब तक तीन टिकट मुस्लिमों को दिए हैं। बहरहाल, नौ विधान सभा सीटों पर चुनाव के लिये सभी दल पूरी मेहनत कर रहे हैं,वहीं मिल्कीपुर उपचुनाव टलने को लेकर सपा और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप बढ़ता जा रहा है। अब भाजपा ने सपा पर चुनाव टालने का आरोप लगाया है। जब मिल्कीपुर का चुनाव घोषित नहीं किया गया तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा को घेरा था। और उन्होंने एक्स पर पोस्ट करके तंज किया था कि जिसने जंग टाली है, उसने जंग हारी है। वहीं, मिल्कीपुर के पूर्व विधायक गोरखनाथ ने इसका जवाब देते हुए कहा है कि भाजपा नहीं, बल्कि सपा डर गई है। यही वजह है कि उन्होंने (गोरखनाथ) अपनी याचिका वापस लेने की अपील कोर्ट से की। कोर्ट में गुरुवार 17 अक्टूबर को सुनवाई थी। मैं वहां पहुंचा तो देखा कि सपा सांसद अवधेश प्रसाद वहां एक दर्जन वकील भेज दिए हैं। इस बात पर बहस होने लगी कि ऐसे आप याचिका वापस नहीं सकते। इससे साफ है कि समाजवादी पार्टी डर गई है और वह चुनाव नहीं चाहती। कुल मिलाकर कांग्रेस और सपा के रिश्तों की बात की जाये तो अभी ऐसा नहीं लगता है कि सपा और कांग्रेस की राहें जुदा होने वाली है। फिलहाल अखिलेश का समाजवाद कांग्रेस के साथ ही आगे बढ़ेगा।

खुली आंखों से समानता के साथ न्याय करने का संदेश

ललित गर्ग

खुली आंखों से समानता के साथ न्याय करने का संदेश देने वाला यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट की जजों की लाइब्रेरी में लगी न्याय की देवी की प्रतिमा में हुआ है। इस प्रतिमा में न्याय की देवी को भारतीय वेषभूषा में दर्शाया गया है। वह साड़ी में दर्शाई गई हैं। सिर पर सुंदर का मुकुट भी है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने भारतीय न्याय प्रणाली की अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं को दूर करते हुए अब न्याय की देवी की मूर्ति की आंखों से काली पट्टी हटा दी गई है। इसके साथ ही मूर्ति की हाथ में तलवार की जगह संविधान ने ले ली है। यह कानून को सर्वश्रेष्ठ एवं भारतीयता का रंग देने की एक सार्थक एवं समयोचित पहल है। सांकेतिक रूप से देखा जाए तो कुछ महीने पहले लगी न्याय की देवी की नई मूर्ति साफ संदेश दे रही है कि न्याय अंधा नहीं है और वह संविधान के आधार पर काम करता है। इस सराहनीय कदम के बावजूद एक बड़ा सवाल है कि क्या मूर्ति की आंखों से पट्टी हटा देने का असर कानूनी प्रक्रिया पर पड़ेगा? भारत में न्याय प्रणाली पर आम धारणा है कि पुलिस और अदालतें लोगों की जिंदगी को तबाह कर देती हैं, वर्षों लम्बी न्याय प्रक्रिया झेलने के बाद भी लोगों को समुचित न्याय नहीं मिल पाता है। न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है, न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी आदर्श न्याय व्यवस्था में आम व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है। लेकिन यह स्थिति कब बनेगी? क्या न्याय की देवी की मूर्ति में परिवर्तन करने से न्याय प्रक्रिया में कुछ बदलाव हो सकेगा? खुली आंखों से समानता के साथ न्याय करने का संदेश देने वाला यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट की जजों की लाइब्रेरी में लगी न्याय की देवी की प्रतिमा में हुआ है। इस प्रतिमा में न्याय की देवी को भारतीय वेषभूषा में दर्शाया गया है। वह साड़ी में दर्शाई गई हैं। सिर पर सुंदर का मुकुट भी है। माथे पर बिंदी, कान और गले में पारंपरिक आभूषण भी नजर आ रहे हैं। जो प्रतीकात्मकता में बदलाव का संकेत है और भारत में न्याय की उभरती भावना को दर्शाता है। लेकिन नई प्रतिमा जिन मूल्यों एवं मानकों की ओर इशारा कर रही है, क्या उसे समझने एवं देखने की हमारी तैयारी है? अगर इस प्रतीकात्मक बदलाव के मूल उद्देश्य को हम नहीं समझ पायेंगे तो यह बदलाव भी अर्थहीन ही होगा। निश्चित ही प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट और न्याय व्यवस्था पारदर्शिता की ओर कदम बढ़ा रही है। लगातार यह संदेश देने की कोशिश हो रही है कि न्याय सभी के लिए है, न्याय के समक्ष सब बराबर है और कानून अब अंधा नहीं है। अब न्याय की देवी के एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में पुस्तक है जो संविधान जैसी दिखती है। यह सर्वविदित एवं लोगों में आम धारणा है कि थाना-पुलिस और कोर्ट-कचहरी का चक्कर लगा-लगा कर आम आदमी की जिंदगी तबाह हो रही है, तब मूर्ति की आंखों से पट्टी हटाकर भला क्या सुधर जाना है? न्याय की देवी को सच में आंखें देनी है तो कानून में आमूल-चूल परिवर्तन, त्वरिता, समयबद्धता एवं समानता की जरूरत होगी। यह तो चीफ जस्टिस भी जानते हैं। आखिर किसे नहीं पता कि इस देश में सड़क से लेकर अदालत तक, हर जगह कानून की धज्जियां उड़ती हैं और न्याय की देवी यूं ही स्टैच्यू बनी रहती हैं। कोई हरकत नहीं, बिल्कुल संवेदनहीन। सड़कों पर कानून तमाशबीन बनकर खड़ा है, थाने में वह उगाही और उत्पीड़न का अस्त्र बना है तो अदालतों में दलीलों और तारीखों की बेइंतहा ऊबाऊ प्रक्रिया का जटिल हिस्सा है, जिसकी जकड़न में गए तो खैर नहीं। अब तक अंधे कानून की त्रासदी न्याय की देवी देख नहीं पाती थीं, अब वो खुली आंखों से सब देखेंगी। कम-से-कम उम्मीद तो कर ही सकते हैं कि देख पाने के कारण न्याय की देवी की मूर्ति में भी संवेदना जग जाए। जस्टिस चंद्रचूड़ ने वाकई अच्छी पहल की है, उसका स्वागत होना चाहिए। 1983 को एक फिल्म अंधा कानून रिलीज हुई थी। इस फिल्म एवं इसके गाने में कोर्ट-कचहरी, वकील-दलील, सुनवाई-फैसले के हालात को शब्द दिए गये हैं। कहा गया कि अस्मतें लुटीं, चली गोली, इसने आंख नहीं खोली। फिर गीत कहता है- लंबे इसके हाथ सही, ताकत इसके साथ सही। पर ये देख नहीं सकता, ये बिन देखे है लिखता। इस तरह फिल्म कानून को अंधा बताती है। स्थिति यह है कि आज भी न्यायालयों में यह चर्चा अमूमन होती है कि अदालत में पेश होने वाले अभियोजन या अभियोग पक्ष के रुतबे को देखकर न्याय प्रभावित हो जाता है। लेकिन उस समय की मूर्ति की मूल भावना कहां और कितनी प्रभावी रही है, यह सर्वविदित है। अब नयी संशोधित प्रतिमा का संदेश है कि देश में न्याय अंधा नहीं है, वह इस बात पर जोर देती है कि भारत में न्याय दूरदर्शिता और समानता के साथ काम करता है। जो संतुलन और निष्पक्षता का प्रतीक है-यह दर्शाता है कि न्यायालय किसी निर्णय पर पहुँचने से पहले सभी पक्षों से तथ्यों और तर्कों को तौलता है। इसका मतलब है कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं, इसमे न पैसे वाले का महत्व, न रुतबा, ताकत और हैसियत को महत्व दिया जाता है। न्याय की देवी, जिसे हम अक्सर अदालतों में देखते हैं, असल में यूनान की देवी है। उनका नाम जस्टिया है और उन्हीं के नाम से 'जस्टिस' शब्द आया है। उनकी आंखों पर बंधी पट्टी दिखाती है कि न्याय हमेशा निष्पक्ष होना चाहिए। 17वीं शताब्दी में एक अंग्रेज अफसर पहली बार इस मूर्ति को भारत लाए थे। यह अफसर एक न्यायालय अधिकारी थे। 18वीं शताब्दी में ब्रिटिश राज के दौरान न्याय की देवी की मूर्ति का सार्वजनिक रूप से इस्तेमाल होने लगा। भारत की आजादी के बाद भी हमने इस प्रतीक को अपनाया। यह बदलाव औपनिवेशिक शासन के अवशेषों को हटाने के अन्य प्रयासों को दर्शाता है, भारत गुलामी के सभी संकेतों से बाहर निकलना चाहता है। जैसे कि हाल ही में आपराधिक कानूनों में बदलाव, भारतीय दंड संहिता की जगह भारतीय न्याय संहिता को लागू करना है। यहां नई मूर्ति के नए संकेतों का अर्थ गहराई से समझना भी जरूरी है। न्याय समाज में संतुलन का प्रतिनिधित्व करें, न्यायिक संचालन-प्रक्रिया सांविधानिक प्रावधानों के अनुरूप चले। सबको समान रूप से देखें। हम न्याय की देवी द्वारा इंगित मूल्यों में संजीदगी दिखायें। हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि आखिर भारतीय न्याय-व्यवस्था को लेकर आम धारणा इतनी कटु क्यों है? यह क्यों माना जाता है।

एआईएमआईएम को भाव क्यों नहीं दे रही कांग्रेस?

क्या महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस एआईएमआईएम के साथ गठबंधन नहीं करना चाहती? यह सवाल इसलिए खड़ा हुआ है क्योंकि महाराष्ट्र में एआईएमआईएमके प्रमुख इम्तियाज जलील ने कहा है कि वह गठबंधन को लेकर दो महीने पहले ही कांग्रेस को प्रस्ताव भेज चुके है लेकिन उसकी ओर से कोई जवाब नहीं आया है जबकि कांग्रेस ने ऐसे किसी प्रस्ताव के मिलने से पूरी तरह इनकार किया है। एआईएमआईएमकी ओर से ऐसा ही एक प्रस्ताव एनसीपी (शरदचंद्र पवार) को भी भेजा गया है। एआईएमआईएम के पूर्व सांसद इम्तियाज जलील का कहना है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अगर महा विकास अघाड़ी वोटों का बंटवारा होने से रोकना चाहता है तो उसे गठबंधन कर चुनाव मैदान में उतरना चाहिए। जलील का कहना है कि कांग्रेस और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) को भेजे गए प्रस्ताव के तहत चुनाव में 28 मुस्लिम बहुल सीटों की मांग की गई है क्योंकि हम इन सीटों पर अच्छी टक्कर दे सकते हैं। महाराष्ट्र के चुनाव में सीधी टक्कर महायुति (बीजेपी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना, उपमुख्यमंत्री अजित पवार की एनसीपी) और एमवीए (कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी, उद्धव ठाकरे की शिवसेना) के बीच है। इसके अलावा एआईएमआईएम, वंचित बहुजन अघाड़ी भी चुनाव मैदान में है। महाराष्ट्र में विधानसभा की 288 सीटें हैं। राज्य में एक ही चरण में 20 नवंबर को वोटिंग होगी और 23 नवंबर को मतों की गिनती के साथ चुनाव नतीजे आएंगे। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से ही बीजेपी दबाव में है जबकि कांग्रेस की अगुवाई वाला एमवीए या इंडिया गठबंधन राज्य में सरकार बनाने के दावे कर रहा है क्योंकि लोकसभा चुनाव के नतीजों से एमवीएको नई ऊर्जा मिली है। एमवीए ने 2019 के मुकाबले ज्यादा सीटें जीती हैं। अगर एमवीए के साथ एआईएमआईएमका गठबंधन नहीं होता है तो एमवीए को कुछ सीटों पर विधानसभा के चुनाव में नुकसान हो सकता है। इम्तियाज जलील ने कहा है कि अगर एमवीएके साथ गठबंधन नहीं होता है तो भी एआईएमआईएम मराठवाड़ा इलाके में चुनाव जरूर लड़ेगी। एआईएमआईएम के नेता पांच सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर अड़े हुए हैं। इन सीटों में- मालेगांव सेंट्रल, धुले, छत्रपति संभाजीनगर, सोलापुर और वर्सोवा शामिल हैं और इसके लिए पार्टी ने उम्मीदवारों के नाम भी तय कर लिए हैं। इम्तियाज जलील का कहना है कि अगर एमवीए के साथ गठबंधन हो भी जाता है तो भी उनकी पार्टी इन पांच सीटों पर अपना दावा नहीं छोड़ेगी। जलील ने कहा कि उन्हें इस बात की पूरी उम्मीद है कि बीजेपी और उसके सहयोगी दलों को हराने के लिए कांग्रेस एआईएमआईएम का साथ देगी। यहां यह भी जानना जरूरी होगा कि महाराष्ट्र में पिछले कुछ विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएमका प्रदर्शन कैसा रहा है। एआईएमआईएम ने 2014 से महाराष्ट्र में अपनी सक्रियता बढ़ाने की कोशिश की और कुछ सीटों पर वह मजबूती से चुनाव लड़ी है। 2014 के विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने 24 सीटों पर चुनाव लड़ा था और दो सीटें- औरंगाबाद सेंट्रल और भायखला जीती थीं लेकिन महाराष्ट्र में कहा जाता है कि एआईएमआईएम ने तब कम से कम नौ अन्य सीटों पर कांग्रेस और एनसीपी (अविभाजित) को कड़ी टक्कर दी थी। 2019 के विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने 44 सीटों पर चुनाव लड़ा लेकिन उसे सिर्फ दो सीटों- मालेगांव सेंट्रल और धुले सिटी पर जीत मिली लेकिन उसने कांग्रेस और एनसीपी को लगभग 12 विधानसभा सीटों पर नुकसान पहुंचाया। इन 12 सीटों में से चांदीवाली और नागपुर सेंट्रल पर शिवसेना (अविभाजित) और बीजेपी गठबंधन को क्रमश: 409 और 4,008 वोटों के मामूली अंतर से जीत मिली थी जबकि एआईएमआईएम के उम्मीदवारों को 1,167 और 8,565 वोट मिले थे। इम्तियाज जलील का कहना है कि एआईएमआईएम लोकसभा चुनाव में भी गठबंधन करना चाहती थी लेकिन तब भी गठबंधन नहीं हुआ। जलील का कहना है कि अगर कांग्रेस और एनसीपी (सपा) एक ऐसी पार्टी के साथ हाथ मिला सकते हैं जो हाल ही में धर्मनिरपेक्ष बनी है, तो एमवीए एआईएमआईएम के साथ गठबंधन क्यों नहीं कर सकती? महाराष्ट्र की मौजूदा विधानसभा में बीजेपी 103 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है। उसके बाद शिवसेना 40, एनसीपी 41, कांग्रेस 40, शिवसेना (यूबीटी) 15, एनसीपी (शरदचंद्र पवार) 13 और अन्य के पास 29 सीटें हैं। कुछ सीटें खाली हैं।

रबी फसलों के एमएसपी की घोषणा, बाजारी ताकतों पर नियंत्रण जरुरी

देश में 1966-67 में सबसे पहले गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। आज से लगभग 60 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी। बुवाई से पहले या बुवाई के समय फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि किसानों को कौन सी फसल लेना लाभकारी रहेगा इस पर सोच विचार कर निर्णय करने का अवसर मिल जाता है। पिछले कुछ सालों से केन्द्र सरकार द्वारा खरीफ हो या रबी लगभग इनके बुवाई के समय ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर दी जाती है। इसे सरकार की सकारात्मक पहल भी कहा जा सकता है। केन्द्र सरकार ने रबी सीजन की गेहूं, सरसों सहित छह प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की है। एमएसपी की घोषणा करते समय यह भी दावा किया गया है कि इन सभी छहों फसलों के एमएसपी का निर्धारण लागत से अधिक किया गया है जिससे किसानों के लिए यह फसलें लाभकारी सिद्ध हो सके। दावों की माने तो लागत की तुलना में सर्वाधिक 105 प्रतिशत अधिक एमएसपी गेहूं की घोषित की गई है, सबसे कम कुसुम की लागत से 50 प्रतिशत अधिक है तो चना और जौ की लागत से 60 फीसदी अधिक घोषित की गई है। सरसों की लागत से 98 फीसदी तो मसूर की 89 प्रतिशत अधिक राशि तय की गई है। निष्कर्ष रुप से यह कहा जा सकता है कि लागत की तुलना में सभी छह फसलों की एमएसपी दरों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। एमएसपी की घोषणा करते समय सरकार ने लागत में खाद-बीज, कीटनाशक, सिंचाई पर व्यय के साथ ही मानव श्रम का भी समावेश किया गया है। ऐसे में लागत से अधिक राशि मिलना किसानों के लिए लाभकारी हो सकता है। देश में 1966-67 में सबसे पहले गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। आज से लगभग 60 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी। गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था का एक विपरीत प्रभाव सामने आने पर कि किसान अन्य फसलों की जगह गेहूं की फसल पर ही केन्द्रित होने लगे तो ऐसी स्थिति में सरकार ने अन्य प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरें में लाया गया। कृषि मूल्य एवं लागत आयोग की सिफारिश पर कृषि जिंसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। देश में गेहूं, धान आदि 7 अनाज फसलें, 5 दलहनी, 7 तिलहनी, 4 नकदी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। नकदी फसलों में गन्ना के सरकारी खरीद मूल्य की गन्ना आयोग द्वारा की जाती है तो गन्ने की खरीद भी गन्ना मिलों द्वारा की जाती है। इसी तरह से कपास की खरीद सीसीआई यानी कि कॉटन कारपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा की जाती है। केन्द्र सरकार द्वारा प्रमुखत: राज्यों में सहकारी संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से एमएसपी की खरीद की जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में सहकारी संस्थाओं का विस्तृत और सीधे काश्तकारों की पहुंच का नेटवर्क है। अब ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और फिर खरीद के बाद ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था से पारदर्शिता आई है। पर सवाल अभी वहीं है कि जब तक बाजार में खासतौर से मण्डियों में एमएसपी फसलों के भाव घोषित एमएसपी दरों के समकक्ष नहीं आते तब तक खरीद जारी रहने से ही काश्तकारों को सही मायने में इस व्यवस्था का फायदा मिल सकता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि पारदर्शी व्यवस्था में भी बिचौलियों ने सेंध लगा ली है और लाख प्रयासों के बावजूद छोटे किसानों को सब तो नहीं पर कुछ काश्तकारों को व्यवस्था का लाभ नहीं मिल पाता।

चंद्रबाबू नायडू बोले–लोग ज्यादा बच्चे पैदा करें: जिनके 2 से ज्यादा बच्चे, भविष्य में वही चुनाव लड़ेंगे

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5395

			4	5		8		
		6	3		9			2
4	2							7
9		2					8	
		3	2	1	8	7		
	5					1		4
7							9	5
2			5		7	3		
		1		2	3			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5394

5	4	2	6	8	1	9	7	3
9	6	7	3	4	5	2	8	1
8	1	3	9	2	7	6	5	4
2	9	1	7	3	8	5	4	6
6	3	5	2	1	4	7	9	8
7	8	4	5	9	6	3	1	2
3	2	8	4	5	9	1	6	7
4	5	6	1	7	3	8	2	9
1	7	9	8	6	2	4	3	5

वर्ग पहेली 5395

संकेत: बाएं से दाएं

1. 18 जुलाई 1996 को इस भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ी ने जन्म लिया (5)
5. दक्षिणी अमेरिका के प्रशांत तट पर स्थित देश जिसकी राजधानी लीमा है (2)
7. भास्कर, रवि, दिनपति, सूर्य (4)
9. एक प्रकार का रासायनिक द्रव्य, शुद्ध वायु (3)
11. इसे उर्दू में हिना कहते है, रंजिका (3)
12. व्यापार, वाणिज्य, माल (2)
13. पदचिन्ह, चरण, कदम (3)
15. अकुलीनता, अभद्रता, दर्जुनता (3)
17. पटना से करीब 90 किमी दूर जहां तिल आदि से श्राद्ध करने से चार महापातकों से मुक्ति होती है (2)
18. क्रिकेट से संबंधित एक शब्द (2)
19. अनुगामी, प्रवीण, चालक (4)
22. घेराबंदी, सीमांकित करना (3)
23. हिंदी के बारह महीनों में से एक (3)

ऊपर से नीचे

1. एक भारतीय टीवी अभिनेत्री व भाजपा महिला नेत्री (5)
2. उपासना गृह, देवालय, इबादतगाह (3)
3. तृणजाति का एक पौधा जिसके बीज से चावल निकलते है (2)
4. परेशान होना, छकना, तंग आना (7)
6. पसंदगी, इच्छा, दिलचस्पी (2)
8. कचरा, दया, तरस (3)
10. पृथ्वी पर विचरने वाले प्राणी (4)
14. हवा, मन्द वायु, अलमस्त हवा, नसीम (3)
16. मुगल सम्राट अकबर के एक दरबारी रत्न जिनका मूल नाम रामतनु पाण्डेय था (4)
17. दक्षिणी अमेरिका के उत्तरी-पूर्वी तट पे स्थित देश जिसकी राजधानी जॉर्जटाउन है (3)
20. विरासत, उपालंभ, गिला (3)
21. जो रिश्ते में माता की बहन पति हों (2)

वर्ग पहेली 5394 का हल

संभाग बनने के लिए मंदसौर का नैसर्गिक अधिकार

इक्कीसवें दिन 12 साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संस्थाएं बनी सहभागी

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर नागरिक मंच के तत्वावधान में चल रहे संभाग बनाओ आंदोलन के अंतर्गत गांधी चौराहा पर पोस्टकार्ड अभियान के 21वें दिन नगर की विभिन्न साहित्यिक सांस्कृतिक और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि सहभागी बने सभी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नाम मंदसौर को संभाग बनाने की मांग का पोस्टकार्ड लिखा और आम जनों से भी मुख्यमंत्री के नाम पोस्टकार्ड लिखने का आह्वान किया।

जन परिषद मंदसौर चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. घनश्याम बटवाल ने कहा कि मंदसौर जिला मुख्यालय को संभाग बनाने की मांग महज केवल एक मांग नहीं बल्कि क्षेत्र की जनता का अधिकार है प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जिस तरह से संरचना है उसमें मंदसौर का संभाग बनना नैसर्गिक रूप से अनिवार्य है। जनता की सुविधा और भावना को सरकार समझें। अ.भा. साहित्य परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र भावसार ने कहा कि मंदसौर को संभाग बनाने की मांग कोई आज की नहीं है बरसों से यह मांग की जा रही है सभी तरह की अनुकूलताएं होने के बाद भी शासन द्वारा मंदसौर को संभाग नहीं बनाना और हमें अपनी इस वाजिब मांग के लिए आंदोलन करना पड़ रहा है यह अपने आप में बड़ा ही विसंगति पूर्ण मामला है। सार्थक वेल फेयर सोसायटी की अध्यक्ष डॉ.उर्मिला तोमर ने कहा कि विकास की दौड़ में कई क्षेत्रों में मंदसौर क्षेत्र पिछड़ा हुआ है यह उद्योग विहीन क्षेत्र है रोजगार के अवसर यहां नहीं है राजस्व संबंधी कई मामले संभाग मुख्यालय दूर होने से लंबित रहते हैं। हर दृष्टि से मंदसौर संभाग बनने की क्षमता रखता है। लता मंगेशकर संगीत महा.जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार त्रिवेदी ने कहा कि लंबी दूरी के चलते व्यक्ति संभागीय कार्य के लिए उज्जैन जाता है और वहां संबंधित अधिकारी नहीं मिलते हैं बाबू छुट्टी पर होते हैं तो उन्हें दो सो किलोमीटर जाकर भटकना पड़ता है ऐसी अनेक व्यावहारिक कठिनाइयां उज्जैन से दूरी होने की वजह से मंदसौर नीमच जिले के दूर दराज के गांव और नगरों के निवासियों को होती है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय श्री मति चंदा डांगी ने कहा कि मंदसौर को संभाग बनाया जाना इस क्षेत्र की जनता के साथ न्याय होगा संभाग बनेगा तो निश्चित रूप से यहां का विकास भी तेज गति से होगा। श्री अजय डांगी ने कहा कि संभाग बनने से यहां दूसरे भी विकास के कई आयाम स्थापित होंगे। श्री नन्द किशोर राठौर ने पोस्टकार्ड पर मुख्य मंत्री से काव्य पंक्ति लिख कर संभाग बनाने की मांग की। श्री राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि

मंदसौर नगर की सीमा लगातार विस्तारित होती जा रही है संभाग मुख्यालय होने से यहां नगर निगम की भी सुविधा प्राप्त हो सकती है भविष्य में चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में भी क्षेत्र में विशेष उपक्रम स्थापित होने की भी संभावना है। आरती जैन ने कहा कि हर दृष्टि से मंदसौर जिले को संभाग बनाया जाना उचित है इसलिए शासन को तत्काल मंदसौर को संभाग बनाने की घोषणा करना चाहिए। पोस्टकार्ड अभियान के 21 वें दिन नगर की 12 साहित्यिक सांस्कृतिक और सामाजिक संस्थाएं जिनमें अखिल भारतीय साहित्य परिषद जिला इकाई,मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन जिला इकाई ,जन परिषद मंदसौर चैप्टर ,सुर संगम, भैरवी संगीत कला कल्याण समिति, टैलेंट आफ मंदसौर, जनभागीदारी समिति लता मंगेशकर शासकीय संगीत महाविद्यालय, मोड ब्राह्मण समाज, मंदसौर हरित क्रांति पर्यावरण समूह, अभिव्यक्ति ओपन माइक,मालवा मेवाड शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल, सार्थक सोशल वेलफेयर सोसाइटी शिवना एरिया वाटर पार्टनरशिप आदि संस्थाओं के सर्व श्री डॉ घनश्याम बटवाल, डॉ उर्मिला सिंह तोमर, नरेन्द्र भावसार,नरेंद्र कुमार त्रिवेदी नंदकिशोर राठौर, अनंत तारे रविंद्र कुमार जादौन, विक्रम सिंह सौरभ सिंह तोमर, श्रीमती रेखा जोशी, साधना नाहर कमल नयन गुप्ता, दशरथ दानगढ़, के एल भावसार, श्रीमती वीणा सिंह, श्रीमती विजयलक्ष्मी रघुवंशी पुरुषोत्तम भट्ट डॉ.आरती जैन श्रीमती भारती पाटीदार हिमांशु पांडेय अजय डांगी,चंदा डांगी,नितेश चौधरी ,राजकुमार अग्रवाल सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल हुए। पोस्टकार्ड अभियान में अपनी नियमित सेवाएं देने वाले अजीजुल्ला खान खालिद राधेश्याम मालवीय राजा राम तंवर बंसीलाल टांक नटवर भाई पारिख, श्रीमती सीमा चोरडिया ने आम जनों से आव्हान कर पोस्टकार्ड अभियान को संचालित किया। यह जानकारी कार्यालय प्रभारी प्रदीप भाटी ने दी। 22 वें दिन इंडियन मेडिकल एसो.दशपुर जागृति संगठन और पेंशनर संघ बनेंगे सहभागी मंदसौर नागरिक मंच के समन्वयक दवाई नरेंद्र अग्रवाल और ब्रजेश जोशी ने बताया कि पोस्टकार्ड अभियान के 22 वें दिन 23 अक्टूबर बुधवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन दशपुर जागृति संगठन और पेंशनर्स संघ के पदाधिकारी व प्रतिनिधि गण सहभागी होंगे।

सांसद सुधीर गुप्ता के प्रयास से भानपुरा मंडी में नीलामी कार्य का शुभारंभ

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंडियों में किसानों को लेकर आ रही समस्याओं को लेकर सांसद सुधीर गुप्ता गंभीर है। उन्होने विगत दिनों मंडी की बैठकों में कई विषयों पर गंभीरता से चर्चा की जिसके परिणाम भी सामने आने लगे है। पहले मंदसौर मंडी में मुंगफली की निलामी कार्य प्रांरभ हुआ फिर उसके बाद मंडी प्रशासन को होमगार्ड के समीप भूमि भी आवंटित हुई। अब सांसद गुप्ता का एक ओर प्रयास से किसानों को सुविधा मिली। सांसद सुधीर गुप्ता के प्रयास से भानपुरा मंडी में भी निलामी का कार्य प्रांरभ हुआ।

मंगलवार को भानपुरा मंडी भी निलामी का कार्य प्रारंभ हुआ। पूजा पाठ व शुभ मुर्हुत में सोयाबीन की निलामी से यह कार्य प्रांरभ हुआ। पूर्व में भानपुरा कृषि उपज मंडी में व्यवसाय का कार्य नही होता था जिससे उस क्षेत्र के किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पडता था। या तो किसानों को शामगढ मंडी में अपनी उपज लाकर बेचना पडती थी या फिर पडोस के राज्य राजस्थान में उपज लेकर जाना पडता था। जिससे किसानों को ट्रांसपोर्ट के साथ अन्य समस्याएं आती थी। विगत दिनों सांसद सुधीर गुप्ता ने जिले भर की मंडी कमेटियों के अधिकारियों और प्रशासन अमले के साथ में बैठक की। सांसद सुधीर गुप्ता ने जिला प्रशासन और मंडी अधिकारियों को निर्देश दिया कि भानपुरा मंडी का व्यवसाय तुरंत चालू किया जाए वह उसमें आ रही बढ़ाओ को तत्काल प्रभाव से दूर किया जाए। इस सकारात्मक प्रयास के पश्चात भानपुरा में भी कृषि उपज मंडी कार्य चालू हो गया वह मंडी प्रांगण में किसनों की उपज की नीलामी शुरू हो गई। इससे क्षेत्र में किसानों को सुविधा मिलेगी साथ क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढेंगे और किसानों को भी अपनी उपज विक्रय करने के लिए दूर नहीं जाना पडेगा इससे उनके लिए भी उपज बेचना आसान होगा। ज्ञात रहे सांसद सुधीर गुप्ता संसदीय क्षेत्र की सभी कृषि उपज मंडी के विस्तार और उनके व्यवसाय में बढोतरी पर निरंतर कार्य कर रहे हैं।

जाबाली कप क्रिकेट टूर्नामेंट के तृतीय दिवस हुए चार मैच

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मॉ जोगणिया माता सेवा समिति प्रवासी समुदाय मालवा प्रांत के तत्वावधान में नूतन क्रिकेट स्टेडियम में मां जोगणिया माता जाबालि कप 2024 क्रिकेट टूर्नामेंट के तृतीय दिवस पानपुर व भाड़िया, डोडियामीणा व परवालिया, पाडलिया मारू व हाड़ी पिपलिया, पिपलिया जोधा व बरडिया के बीच मैच हुए।

तृतीय दिवस अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत, जनपद पंचायत अध्यक्ष रणजीतसिंह चौहान (गरोठ), शंकरलाल परमार, शैलेन्द्रसिंह पंवार, यशपालसिंह पंवार, पतंजलि योग गुरू बंशीलाल टांक, वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम बटवाल, ब्रजेश जोशी, शंभुसेन राठौर, सभापति राजेन्द्र राठौर, विवेक सोनगरा, जितेन्द्र शर्मा, दशपुर विद्यालय के व्यवस्थापक हकीमप्रसाद शर्मा, उत्सव जैन सीतामऊ, विनर क्लब परिवार के विजय गेहलोद, नटवर पारीख, परमानन्द धनगर, अरूण शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री टेरेसा मिंज मेडम, अखिलेश मेहता, दिलीप सिंह राठौर, नागूलाल मालवीय, आंनद डाबर, के सी चोहान, राकेश आचार्य, नरेंद्र शर्मा, भगवती शर्मा, विक्रमसिंह सिसोदिया, भारत सिंह सिसौदिया, अशोक चौहान, कोमल राठौर, बलवंत लौहार, राधेश्याम बसेर, पुष्कर पाटीदार, सतीश माहेश्वरी ,भूपेंद्र त्रिवेदी उपस्थित रहे। अतिथियों ने माँ जोगणिया माता एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। आयोजन के सूत्रधार रविप्रताप सिंह बुंदेला ने दिया। सभी अतिथियों का स्वागत मोती की माला पहनाकर प्रांत टोली विनोद मेहता, रूपदेव सिसोदिया, वासुदेव धनगर, राधेश्याम लोहार, देवीलाल सुनार्थी, बंटी दायमा, मुकेश दायमा, विजय शर्मा, बनवारी जी, नवीन खोखर, ब्रजेश सेन मारोठिया ने किया। आज के मैच के पिच क्यूरेटर निलेश खोखर लक्की, अंपायर वेदांत व्यास केशव मादलीय अब्बू अमन स्कोरर मिहिर सोलंकी रिदम नाहटा व रहे। कार्यक्रम का संचालन देवीलाल सुनार्थी ने किया एवं आभार विनोद मेहता ने माना। इन के बीच हुए मैच- तृतीय दिवस सभी मैच 8-8 ओवर के हुए। पानपुर व भाड़िया, डोडियामीणा व परवालिया, पाडलिया मारू व हाड़ी पिपलिया, पिपलिया जोधा व बरडिया के बीच मैच हुए।

रोटरी आहार केन्द्र को 621 भोजन के पैकेट हेतु राशि प्रदान की

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री लक्ष्मीलाल सूरजबाई मारू पारमार्थिक ट्रस्ट के सहयोग से जैन सोश्यल ग्रुप मंदसौर ग्रेटर के तत्वाधान में मारू परिवार द्वारा साप्ताहिक सेवा प्रकल्प का आयोजन दिनांक 20 से 26 अक्टूबर 2024 तक किया जा रहा है। जिसके तहत तृतीय दिवस 22 अक्टूबर को 12 बजे रोटरी आहार केंद्र पर ट्रस्ट द्वारा रोटरी क्लब के अध्यक्ष योग गुरु श्री सुरेंद्र जैन को 621 भोजन पैकेट हेतु राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री अशोक मारु ने बताया कि ट्रस्ट के माध्यम से प्रतिवर्ष सेवा प्रकल्प आयोजित किये जा रहे। जिसका उद्देश्य मानव मात्र की सेवा करना है तथा जरूरतमंदों की मदद करना है। सभी ने मारू परिवार द्वारा किये जा रहे साप्ताहिक सेवा प्रकल्प की अनुमोदना की व ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री अशोक मारू, व ऋषभ मारू का स्वागत किया।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	769	2110	2520
उडद	153	5601	7120
सोयाबीन	6300	3750	4620
गैहु	2776	2650	3345
चना	149	6001	7001
मसुर	83	5801	6385
धनिया	360	5326	7351
लहसुन	12000	9000	27000
मैथी	770	4890	6120
मुंगफली	7500	3800	5200
अलसी	1730	5850	6125
सरसो	250	5310	5750
तारामीरा	2	3750	4546
इसबगोल	99	9100	12501
प्याज	3000	1252	3881
कलोंजी	21	14881	18341
तुलसी बीज	4	12500	20841
डॉलर	56	9600	11800
तिल्ली	24	10001	12050
जौ	0000	00000	00000
मटरसुखी	8	5000	6161
असालीया	3	9800	11000
मूंग	0000	0000	0000

जिला, उपखण्ड, तहसील के साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर भी हो रहा है ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान

सभी ग्राम पंचायतों में की गई जनसुनवाई, कलेक्टर ने नीमच में की जनसुनवाई, 90 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिला, उपखण्ड एवं तहसील के साथ ही मंगलवार से ग्राम पंचायतों में भी जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित कर, ग्रामीणों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निराकरण किया जा रहा है। ग्राम पंचायत स्तर पर जनसुनवाई होने से दूर दराज के ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उपखण्ड, ब्लाक, तहसील या जिला मुख्यालय पर नहीं आना पड रहा है। उनकी समस्याओं का अपनी ग्राम पंचायत में ही समाधान हो जाने से ग्रामीणों को समय एवं धन की बचत भी हो रही है। जिले की सभी 243 ग्राम पंचायतों में मंगलवार को जनसुनवाई की गई। इसमें पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, लाईनमेन, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी आंगनवाडी, आशा कार्यकर्ता, एएनएम., सीएचओ, पटवारी एवं अन्य ग्राम स्तरीय अमले ने ग्राम पंचायत कार्यालय में बैठकर आवेदकों की समस्याए सुनी और उनका निराकरण किया। जिला मुख्यालय नीमच के कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए 90 आवेदकों की समस्याएं सुनी एवं उनका निराकरण करने के लिए उपस्थित जिला अधिकारियों को निर्देश दिए। जनसुनवाई में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, एसडीएम डॉ.ममता खेडे, सभी डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर के निर्देश पर पंचायतों में शुरू हुई जनसुनवाई–कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत और निकाय स्तर पर जनसुनवाई शुरू की गई है। ग्राम पंचायत अल्हेड में सरपंच श्री आनंद श्रीवास्तव, सचिव श्री अल्ताफ मंसूरी, पटवारी श्री अजय शर्मा, सीएचओ श्री लोकेन्द्रसिंह पंवार और ग्राम पंचायत के समस्त कर्मचारी जनसुनवाई में उपस्थित थे। यहां जनसुनवाई में दो ग्रामीणों ने अपनी समस्या से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। पहला आवेदन मोहन गिरी का प्राप्त हुआ। वृद्धा पेंशन के लिए इन्होंने आवेदन दिया। सरपंच ने आवेदन प्राप्त कर, उसका तत्काल निराकरण किया एवं मोहन गिरी को पेंशन स्वीकृत की गई। दूसरा आवेदन पिंकेश माली ने दिया। असंगठित मजदूर सबंधी पंजीयन हेतु श्री माली ने आवेदन किया।

तीन दिवसीय युवा उत्सव का शुभारंभ

मनासा, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय रामचंद्र विश्वनाथ महाविद्यालय मनासा में तीन दिवसीय युवा उत्सव का शुभारंभ किया गया। जिसमें प्रथम दिवस विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। युवा उत्सव कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी की तस्वीर पर रोली तिलक लगाकर की गई। तत्पश्चात रंगोली, पोस्टर पेंटिंग, कोलाज, शिल्प मूर्ति, व्यंग्य चित्र, प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें बडी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.एम.एल.धाकड, .डॉ.जी.के. कुमावत, युवा उत्सव प्रभारी प्रो.सुदेश कलम, डॉ स्मिता रावत, प्रो. आशा पटेल सहित समस्त महाविद्यालय स्टाफ एवं बडी संख्या में छड्डस्वयंसेवक विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की रूपरेखा एनएसएस प्रभारी प्रो.आशा पटेल ने बताई एवं मंच संचालन डॉ. स्मिता रावत, आभार प्रदर्शन प्रो.सुमित मेडा ने किया।

विज्ञान, गणित व सामाजिक विज्ञान मेले का आयोजन सम्पन्न

मनासा, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगर के सी एम राइज स्कूल में मंगलवार को माध्यमिक व उच्चतर के विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान, गणित व सामाजिक विज्ञान मेले का आयोजन किया गया जिसमें माध्यमिक व उच्चतर विद्यालय के करीब 120 विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ स्वय द्वारा बनाए गए मॉडलों का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर नप अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय तिवारी,मुखर्जी मंडल अध्यक्ष मुकेश डांगी , कालेज की जन भागीदारी समिति अध्यक्ष अश्विन सोनी, कैलाश पुरोहित,हायरसेकंड्री स्कूल प्राचार्य रामानुज परवाल, अतिथि बतौर अपनी उपस्थिति लिए हुवे थे।

इस अवसर पर अजय तिवारी ने सीएम राइज स्कूल के प्रबंध की भूरी भरी प्रशंसा करते हुवे कहा की अल्प समय में ही सीएम राइज स्कूल के मेहनतकश अध्यापकों ने संस्कार से परिपूर्ण विद्यार्थियों को जिले की प्रवीण्य सूची में से छ: में से पांच विद्यार्थियों को इस प्रवीण्य सूची में अपनी जगह बनाते हुवे स्कूल का नाम गौरवान्वित किया। यह इस बात का परिचायक हे की विद्यालय का प्रबंधन कितनी मेहनत अपने विद्यार्थियों को गुणवान व शिक्षित करने में करता है। मुखर्जी मंडल के अध्यक्ष मुकेश डांगी ने अपने उद्बोधन में कहा की प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की सरकार का पूरा प्रयास हे की नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी शिक्षा की बेहतर सुविधा मिले इस हेतु प्रदेश सरकार ने पूरे प्रदेश में सीएम राइज स्कूल जैसे सर्व सुविधा युक्त विद्यालय शुरू किए है। कार्यक्रम में अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए माडलों का अवलोकन करते हुवे छोटे छोटे विद्यार्थियों की पीठ थपथपाते हुवे उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के पूर्व अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित करते हुवे कार्यक्रम की शुरुवात की। प्राचार्य बी एल बसेर ने विद्यालय की गतिविधियों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।कार्यक्रम का संचालन शिक्षक रोहित मंदले ने किया आभार की रस्म को माध्यमिक स्कूल के प्राचार्य ने निभाई।

स्वदेशी का भाव जगाना होगा...

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। किसी भी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था और उसके पूरे आर्थिक तंत्र की मजबूत रीढ़ के रूप में उसके स्थानीय उत्पादो, वस्तुओ, खाद्य सामग्री एवं दैनिक जीवन में उपयोग आने वाली सामग्री को देखा जाता हे क्योंकि यह केवल स्थानीय उत्पादो को सीमित कर के देखने का नजरियाभर नही हे बल्कि उस उत्पाद के निर्माण, पैकेजिंग, परिवहन और वितरण तक में कही न कही स्थानीय इकाई एक ऐसे तंत्र के रूप में जुड़ी होती हे जो घर के पेसो को घर में ही चलायमान रखकर ऐसी चेन का निर्माण करती हे जिसमे सबका आर्थिक हित संवर्धन सतत होता हे। जबकि इसकी तुलना में जब कोई विदेशी या कहे मल्टी नेशनल कंपनियो द्वारा बाजार में उतारे गए उत्पाद या सामग्री का आर्थिक पक्ष जानेंगे तो पता चलता हे कि ग्राहक के रूप में भले ही एक भारतीय नागरिक की आवश्यकता या आकर्षण की पूर्ति ये विदेशी तथाकथित ब्रांडेड वस्तुएं करती हो लेकिन इसका सीधा सीधा लाभ कुछ चुनिंदा लोगो और कंपनियों तक ही सीमित हो जाता हे। इसके कारण देश की आर्थिक रीढ़ निरंतर कमजोर होती हे। इसलिए स्वदेशी और वह भी स्थानीय उत्पाद को लेकर हमारी अनिवार्य वरीयता आत्मनिर्भरता का भाव जगाने वाली होना चाहिए। भारत की उत्सवधर्मिता अर्थात पर्व उत्सव, मांगलिक कार्यक्रम, विवाह बंधन एवं जीवन कर्म से जुड़ी गतिविधियां हमारे व्यापार, कारोबार, कृषि कार्य, निर्माण, उत्पादन और परिवहन को भी निरंतर नई गति देने का निम्मित बनते हे। अगर कहे कि भारत में गणेश उत्सव, नवरात्रि, दीपावली और होली प्रत्येक व्यक्ति के आर्थिक सुदृढ़ीकरण का निम्मित हे क्योंकि दीपोत्सव पर खेत से लेकर बाजार, सराफा से लेकर मिष्ठान भंडार और कपडो से लेकर पटाखा बाजार तक आर्थिक गतिविधियां नई उंचाई छूती हे। भारत में पर्व परम्परा का अर्थशास्त्र भी सनातन काल से शाश्वत और अक्षुण्ण रहा हे क्योंकि हर बार हमारे इन्ही उत्सवो द्वारा हम न केवल अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की तरफ कदम बढ़ाते हे बल्कि प्रत्येक क्षेत्र में विविधतापूर्ण रोजगार सृजन कला को नया मंच, हुनरमंद हाथो को नवीन अवसर और अन्नदाता की आकांक्षाओं को पंख लगाने का निम्मित भी हमारे यही उत्सव बनते हे। जब भारतीय धर्म संस्कृति में विशुद्ध रूप से परंपरा, मान्यताओ और शास्त्रगत धार्मिक अनुशासन का पालन अनिवार्य शर्त के रूप में देखा जाता हे तब स्वदेशी वस्तुओ का उपयोग एवं उपभोग अनिवार्य क्यों न हो। क्योंकि विदेशी कम्पनियां तो भारी मुनाफा कमाकर भारतीय मुद्रा को विदेश ले जाती हे लेकिन स्वदेशी और स्थानीय वस्तुओं की खरीदी बिक्री से समाज के प्रत्येक वर्ग की आजीविका को उत्सवो से ही वर्ष भर का प्रोत्साहन मिल जाता हे। हमारे सभी उत्सवो से जुडा स्वदेशी उत्पाद केंद्रित आर्थिक लेनदेन भी जब मजबूती के साथ काम करेगा तो यही देश के अर्थतंत्र की रीढ़ की मजबूती का आधार भी बनेगा।

गौरव सोनी, मंदसौर

कार्यालय नगर परिषद सुवासरा, जिला मंदसौर म.प्र.

क्रमांक3349/राजस्व/नामा./2024 सुवासरा, दिनांक– 22.10.2024

**** नामान्तरण विज्ञप्ति ****

सर्वसाधारण को जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है कि निम्न विवरण अनुसार म.प्र. न.पा. अधिनियम 1961 की धारा 150 के अनुसार नामांतरण की सूचना प्राप्त होने के फलस्वरुप धारा 151 के तहत कार्यवाही की जाना है। जिस किसी आवेदक का नामांतरण नाम लागू किये जाने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति है तो विज्ञप्ति जारी होने के दिनांक से 15 दिवस की अवधि में लिखित रुप से अपनी आपत्ति मय पुष्टी प्रमाण के कार्यालय में (अवकाश के दिनों को छोड़कर) कार्यरत में प्रस्तुत करें। अवधि समाप्त होने पर आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

क्रं.	मोहल्ला/क्षेत्र/सम्पत्ति का विवरण	वार्ड	न.पं. रिकार्ड में दर्ज नाम	हस्तान्तरणकर्ता का नाम	जिसके नाम अंतरण होना है	अंतरण का आधार
65	अरिहंत नगर भूमि सर्वे क्रमांक 1453/मिन-30/मिन-2/ 1456, 1457/2/मिन-1, 1457/मिन-2	14	नहीं	संदीप-निर्मलकुमार जी	कैलाशबाई-रामचंद्रजी	रजिस्ट्री विक्रय पत्र
66	भूमि सर्वे क्रमांक 738/1/1/1	02	नहीं	धीरपसिंह-नरवरसिंहजी	पप्पूलाल-बंशीलालजी	रजिस्ट्री विक्रय पत्र
67	भवन कर क्रमांक 1040 पर दर्ज है।	15	लक्ष्मीनारायण-शंकरलालजी	लक्ष्मीनारायण-शंकरलालजी	कंचनबाई-लक्ष्मीनारायणजी	मृतक नामांतरण
68	भूमि सर्वे क्रमांक 1079/2/14	15	नहीं	कांताबाई-बगदीरामजी	रविन्द्रसिंह-प्रदीपसिंहजी	रजिस्ट्री विक्रय पत्र
69	भवन कर क्रमांक 987 पर दर्ज है।	15	मांगीलालजी-रतनलालजी महाजन	मांगीलालजी-रतनलालजी महाजन	दिनेश, मनोहर, किशोर-मांगीलालजी	मृतक नामांतरण, शपथ पत्र, आपसी बंटवारा
70	अरिहंत नगर भूमि सर्वे क्रमांक 1453/मिन-30/मिन-2/ 1456, 1457/2/मिन-1, 1457/मिन-2	14	नहीं	संदीप-निर्मलकुमार जी	अलका चौहान-नीरज जी	रजिस्ट्री विक्रय पत्र
71	भवन कर क्रमांक 196 पर दर्ज है।	08	अली हुसैन-एहमद अली जी	अली हुसैन-एहमद अली जी	नसरीन-अब्बासअलीजी	रजिस्ट्री विक्रय पत्र
72	भवन कर क्रमांक 196 पर दर्ज है।	03	आबीजर-अली हुसैन जी युसुफ अली-अली हुसैन जी	आबीजर-अली हुसैन जी युसुफ अली-अली हुसैन जी	रशीदा-आबीजर जी	रजिस्ट्री विक्रय पत्र
73	भूमि सर्वे क्रमांक 957/1	15	नहीं	मीना ग्वाला-गोवर्धनलालजी	मीना ग्वाला-गोवर्धनलालजी	पावती और डायवर्शन के आधार पर
74	भवन कर क्रमांक 298 पर दर्ज है।	09	निसार मंसूरी-अब्दुल करीम जी	निसार मंसूरी-अब्दुल करीम जी	संतोषबाई-प्रकाशचंद्रजी	रजिस्ट्री विक्रय पत्र
75	भवन कर क्रमांक 298 पर दर्ज है।	07	सादिक अली-गुलाम अली	सादिक अली-गुलाम अली	फरीदाबाई-फिरोज अली फेमिदाबाई-शुजाउद्दीन जाकिया पिता सादिक अली	मृतक नामांतरण, शपथ पत्र, आपसी बंटवारा
76	भवन कर क्रमांक 503 पर दर्ज है।	11	घनश्याम पिता उंकारलाल	घनश्याम पिता उंकारलाल	अशोककुमार पिता गोवर्धनलालजी	रजिस्ट्री विक्रय पत्र
77	भवन कर क्रमांक 226 पर दर्ज है।	07	मोहम्मद पिता शब्बीर	मोहम्मद पिता शब्बीर	तस्नीम पति असगर अली जी	रजिस्ट्री विक्रय पत्र
78	भवन कर क्रमांक 829 पर दर्ज है।	05	ग्यारसीबाईपति रतनलाल	ग्यारसीबाईपति रतनलाल	नंदकिशोर पिता हीरालालजी	रजिस्ट्री विक्रय पत्र
79	भवन कर क्रमांक 565 पर दर्ज है।	12	सज्जनबाई पति मांगीलाल रामीबाई पति मांगीलाल	सज्जनबाई पति मांगीलाल रामीबाई पति मांगीलाल	राहुल पिता मांगीलालजी	मृतक नामांतरण, शपथ पत्र, आपसी बंटवारा
80	भवन कर क्रमांक 565 पर दर्ज है।	12	सज्जनबाई पति मांगीलाल रामीबाई पति मांगीलाल	सज्जनबाई पति मांगीलाल रामीबाई पति मांगीलाल	श्यामलाल पिता मांगीलालजी	मृतक नामांतरण, शपथ पत्र, आपसी बंटवारा

श्रीमती सविता बाई
अध्यक्ष
नगर परिषद सुवासरा

श्रीमती सीमा सुनील मांदलिया
उपाध्यक्ष
नगर परिषद सुवासरा

श्रीमती निशा महेशकुमार
सभापति, राजस्व एवं बाजार समिति
नगर परिषद सुवासरा

संजय राठौर
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद सुवासरा

उफ़ यह गर्मी... शहर में आमजन का गर्मी से हाल बेहाल है। इस भीषण गर्मी से बचने के लिए कर रहे अलग-अलग तरह के जतन।

ट्रेक्टर की टक्कर से बाइक सवार घायल

पिपलियामंडी, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दुर्घटना में बाइक सवार घायल हो गया। पुलिस ने केस दर्ज किया। प्रात: 11.30 बजे मल्हारगढ रेलवे स्टेशन अंडरब्रिज के निकट बाइक (एमपी 44 एमएम 0590) पर सवार होकर कूचडोद की ओर से आ रहे मल्हारगढ निवासी राजेश पिता मदनलाल सोनी को पीछे से आ रहे ट्रेक्टर एमपी 44 एबी 2467 के ड्राइवर ने तेज व लापरवाही पूर्वक चलाकर टक्कर मार दी। जिससे राजेश के सिर, पैर व सीने पर चोंट आई। अनिल पिता मदनलाल सोनी की रिपोर्ट पर पुलिस ने ट्रेक्टर ड्राइवर पर केस दर्ज किया।

एक लाख लोगों को सरकारी नौकरी, नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता के रहने-खाने की व्यवस्था

भोपाल, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के विभिन्न शासकीय विभागों में 01 लाख पदों पर भर्तियां की जाएंगी। दिसंबर तक इसकी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। मंगलवार को मंत्रालय में हुई मोहन कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसमें सर्वाधिक 46 हजार पद स्वास्थ्य विभाग के हैं। महिला एवं बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के लिए 20000 पदों के सृजन की अनुमति दी गई है। इसमें 12000 से अधिक सहायिका और 467 सुपरवाइजर के पद भी शामिल हैं। साथ ही कैबिनेट से पहले मुख्यमंत्री ने रोजगार सृजन वाले विभागों को आगामी चार वर्ष के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

भौगोलिक सीमाओं का पुनर्गठनके बिनेट बैठक में प्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। यह आयोग आगामी चार माह में सभी जिलों का दौरा करेगा। तहसील, विकासखंड, जिला, और संभाग की सीमाओं में परिवर्तन को लेकर लोगों से सुझाव दिए जाएंगे, जिसके आधार पर रिपोर्ट तैयार होगी। उल्लेखनीय है कि आयोग का सदस्य सेवानिवृत आईएएस अधिकारी मनोज कुमार श्रीवास्तव और मुकेश कुमार शुक्ला को बनाया गया है। इसका कार्यालय ग्रामीण विकास विभाग के कार्यालय स्थित भवन में रहेगा।

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता के रहने-खाने की व्यवस्था करेगी सरकार-कैबिनेट बैठक में दुष्कर्म पीडित नाबालिग बच्ची को सरकार द्वारा विभिन्न सुविधा दिए जाने का निर्णय लिया गया है। इसमें पीडिता को शिक्षा, पुलिस सहायता, मातृत्व और नवजात शिशु देखभाल, मनोवैज्ञानिक परामर्श, कानूनी सहायता, स्वास्थ्य बीमा, देखरेख संस्थानों में आश्रय आदि की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस योजना में लाभ प्राप्त होने के लिए एफआईआर की प्रति होना आवश्यक नहीं होगा। पीडित नाबालिग बालिका को गैर-संस्थागत देखभाल के लिए 4000 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे, जो मिशन वात्सल्य के तहत होंगे। योजना का क्रियान्वयन कलेक्टर के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए निर्भया फंड से प्रत्येक जिले को 10 लाख रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे।

सांवरा सेठ को भेंट की डेढ़ किलो चांदी की स्कॉर्पियो

चित्तौड़गढ़, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री सांवलियाजी स्थित सांवरा सेठ के दरबार में सोमवार को एक भक्त ने डेढ किलोग्राम से अधिक चांदी से बनी स्कॉर्पियो गाडी भेंट की। मंदिर प्रभारी राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि उदयपुर जिले की मावली तहसील के घासा निवासी सुखलाल डांगी ने मन्नत पूरी होने पर प्रभु सांवलियाजी को एक किलो 648 ग्राम चांदी से बनी स्कॉर्पियो गाडी भेंट की। इसकी अनुमानित कीमत करीब दो लाख रुपए है।

कलेक्टर द्वारा जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान 55 ग्रामीणजनों की समस्याएं सुनी

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 55ग्रामीणजनों की समस्याएं सुनी।अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान निवासी काचरिया चन्द्रावत के हीरालाल द्वारा खेत पर जाने के रास्ते के संबंध मे आवेदन दिया, जिस पर कलेक्टर द्वारा एसडीएम मल्हारगढ को निर्देश दिये कि आवेदन का जल्द

निराकरण कर खेत पर जाने के लिए रास्ता दिया जाए। निवासी बोरखेडी की संगीता बाई द्वारा प्रधानमंत्री आवास न दिये जाने के संबंध मे आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर द्वारा सीईओ जनपद पंचायत को निर्देश दिये कि आवेदन की जांच कर पीएम आवास के लिए नियमानुसार कार्यवाही करें। निवासी क्यामपुर के जगदीश द्वारा अवैध पट्टेकी जांच के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर द्वारा सीईओ जनपद पंचायत सीतामऊको निर्देश दिये की अवैध पट्टे के संबंध में जांच कर कार्यवाही करें। निवासी सूंठी के कारूलाल द्वारा जाति प्रमाण पत्र के संबंध मे आवेदन दिया जिस कलेक्टर द्वारा सीतामऊएसडीएम को निर्देश दिये कि कारूलाल का जाति प्रमाण पत्र जारी करें। जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम जुडवाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास मंजूर करने, निजी भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि विवाद, बीमारी सहायता, आपसी विवाद, शिक्षा ऋण दिलाने, सामुदायिक सुविधा घर (कम्युनिटी टायलेट) बनवाने आदि विषयों के आवेदन प्राप्त हुये।इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल एवं जिला अधिकारी मौजूद थे।

दंपत्ति से मारपीट

पिपलियामंडी, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। दम्पत्ति से मारपीट के मामले में पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया। गांधी चौराहा, पुराना स्टेट बैंक के सामने निवासरत सिम्मी पति विनय फरक्या ने पिपलिया चौकी पर शिकायत दर्ज कराई कि झोपड़ पट्टी निवासी गोविन्द पिता नारु कालबेलिया ने घर पर आकर गाली-गलौज की व बोला कि तुम्हारे पति ने मेरा मोबाइल लिया था, उसके रुपए दो, गाली-देने से मना किया तो मेरे व मेरे पति के साथ मारपीट की। पुलिस ने आरोपी नारु के खिलाफ केस दर्ज किया।

नमकीन और मिठाई दुकानों से सेम्पल लिए

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला कलेक्टर के निदेशानुसार आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए, खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। 22 अक्टूबर मंगलवार को कार्यवाही के दौरान मंदसौर नगर की नमकीन और मिठाई की छ: संस्थानों का निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते नमूने जब्त किये गये है। जिन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया हैं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी एस जामोद ने बताया कि 22 अक्टूबर मंगलवार को कार्यवाही के दौरान मंदसौर के नगर के गोकुल स्वीटस से मावा बर्फी, श्री जैन नमकीन स्वीटस से सेंव, जैन स्वीटस रसगुल्ला, पोरवाल नमकीन स्वीटस मावा लड्डू, श्री नागेश्वर मावा भंडार और महावीर मावा भंडार से मावा के नमुने लिये गये हैं। सभी खाद्य नमुनों को गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य प्रयोगशाला मप्र भोपाल भेजे गये है जहां से जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई की जायेगी। कार्रवाई के दौरान सभी संस्थानो को अपने यहां साफ सफाई रखने एवं पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये।

राज्यसभा सांसद गुर्जर ने केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण को लिखा पत्र...

वर्ष 2024-25 की अफीम फसल नीति यथाशीघ्र घोषित करने की मांग की

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर फसल वर्ष 2024-25 की अफीम फसल नीति घोषित करने की मांग की है।

राज्यसभा सांसद श्री गुर्जर ने लिखे पत्र में कहा कि अफीम की फसल की खेती कराये जाने हेतु प्रति वर्ष अफीम फसल नीति सितम्बर माह में ही घोषित कर दी जाती है, लेकिन इस वर्ष 22 अक्टूबर तक भी अफीम फसल नीति घोषित नहीं की गई है जबकि अफीम की फसल बोई जाने का समय 10 अक्टूबर से प्रारंभ हो गया है। इस वर्ष अफीम फसल नीति की घोषणा में देरी के कारण किसान परेशान है, क्योंकि समय से फसल नहीं बोई गई तो अफीम उत्पादन में देरी से बोये जाने के कारण उत्पादन कम हो जाता है तथा किसान निर्धारित औसत सरकार को नहीं दे पाता है। इसलिए अफीम उत्पादन नीति की घोषणा प्रति वर्ष सितम्बर माह में ही की जाती है ताकि किसान अक्टूम्बर माह में निर्धारित समय पर फसल बोकर अपेक्षित परिणाम प्राप्त कर सके। सांसद श्री गुर्जर ने अफीम कास्तकारों की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए कहा कि देर से अफीम फसल नीति घोषित करने के कारण अफीम फसल देरी से बोई जायेगी तथा अफीम फसल देरी से मार्च-अप्रेल माह में आयेगी तथा गर्मी बढ जाने व ठण्ड कम हो जाने के कारण अफीम फसल में कई तरह की बीमारियां आती है तथा बीमारी को नियंत्रित करने में किसानो का भारी खर्चा होता है एवं किसानों की अफीम की औसत भी पूरी नहीं हो पाती है। इन सभी समस्याओं के निराकरण हेतु श्री गुर्जर ने केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण से अफीम फसल वर्ष 2024-25 की नीति यथाशीघ्र घोषित करने की मांग की है।

भाजपा सक्रिय सदस्यता अभियान अंतर्गत चावला, राठौर, सिसोदिया बने सक्रिय सदस्य

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एंव प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के निर्देशानुसार मंदसौर जिले में भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के नेतृत्व में सक्रिय सदस्यता अभियान निरंतर जारी है। इसी क्रम में आज भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने भाजपा मंडल अध्यक्ष गण अरविंद सारस्वत के साथ पूर्व कैबिनेट मंत्री कैलाश चावला, भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मदनलाल राठौर, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया को भाजपा की सक्रिय सदस्यता का नवीनीकरण करवाया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने कहा की भाजपा से जुड कर प्रत्येक कार्यकर्ता चाहे वो छोटा हो या बड़ा, वह गर्व की अनुभूति करता है। मंदसौर जिले में सक्रीय सदस्यता अभियान सभी मंडलो में निरंतर जारी है और प्रत्येक दिवस सक्रीय सदस्यता के आकडे की ऑनलाईन अपडेट प्रदेश भाजपा कार्यालय को की जा रही है।

नशीली दवाओं की लत एवं मादक द्रव्यों का सेवन पर कार्यशाला

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नेहरू युवा केंद्र, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं केन्द्रीय संचार ब्यूरो के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनांक 22 अक्टूबर 2024

को आईटीआई कॉलेज मल्हारगढ, जिला-मंदसौर में नशीली दवाओं की लत एवं मादक द्रव्यों का सेवन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी अभिलाष म्हस्के ने नशे की लत से होने वाले दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की। सामाजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारी धर्मेश गुप्ता ने कंप्यूटर से प्रस्तुतिकरण के माध्यम से नशा करना क्यों आरम्भ किया जाता है और नशे के प्रकार क्या क्या है को विस्तार से समझाया। मीनाक्षी शर्मा ने योग के माध्यम से नशे की लत से कैसे छुटकारा पाया जा सकता है पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण अधिकारी विकास पाटीदार, सीबीसी के प्रभारी देवेन्द्र कुमार एवं एपीए दारा सिंह ने भी नशा मुक्त भारत पर अपने विचार प्रकट किये। कॉलेज प्रांगण में एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया गया।

नागरिकों के लिए मूल कर्तव्य: राष्ट्र निर्माण और सामाजिक सद्भाव की नींव

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर की वार्षिक कार्ययोजना वर्ष 2024-25 के अनुपालन तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन में तथा जिला न्यायाधीश/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय मंदसौर में मूल अधिकार एवं मूल कर्तव्य विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सिद्धार्थ तिवारी द्वारा भारतीय संविधान में बताया कि मूल अधिकार भारतीय संविधान के तहत नागरिकों को दिए गए विशेष अधिकार हैं जो उनके सम्मानजनक जीवन और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करते हैं। इनमें जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार, समानता का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, और शोषण के विरुद्ध अधिकार शामिल हैं। ये अधिकार संविधान के भाग 3 में उल्लिखित हैं और नागरिकों को न्यायालय में जाने का हक भी प्रदान करते हैं अगर इनके उल्लंघन का मामला सामने आता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने मूल कर्तव्य विषय के बारे में बताया कि मूल कर्तव्य 42वें संविधान संशोधन (1976) के तहत जोडे गए है । नागरिकों के लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वे देश की एकता, अखंडता और संस्कृति की रक्षा करें, संविधान का पालन करें, और पर्यावरण की रक्षा सहित अन्य सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाएं। इस अवसर पर महाविद्यालय की ट्रस्टी सेवानिवृत न्यायाधीश श्री रघुवीर सिंह चुंडावत, जिला विधिक सहायता अधिकारी प्रवीण कुमार, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विनोद पाटीदार उपस्थित रहे। संचालन महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉक्टर राजेश कौशिक द्वारा किया गया।

स्वामी भागवतानन्दजी महाराज का मनाया एकादशवां पुण्यतिथि महोत्सव

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया में ब्रह्मलीन स्वामी भागवतानंदजी महाराज का 11वां पुण्यतिथि महोत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ। आश्रम में प्रतिष्ठित स्वामी भागवतानन्दजी के समाधी मंदिर में स्वामीजी की प्रतिमा का पूजन अभिषेक आरती की गई बाद में उपस्थित गुरू भक्तों ने प्रसाद ग्रहण की। पूजन अभिषेक पुजारी पं. दिनेश व्यास, पं. विष्णु व्यास, पं. सोम पाठक ने सम्पन्न करवाई।

इस अवसर पर सचिव श्री रूपनारायण जोशी ने स्वामी भागवतानंदजी को स्मरण करते हुए कहा मंदसौर नगर के साथ ही स्वामी

भागवतानंदजी ने विश्व प्रसिद्ध अष्टमुखी भगवान श्री पशुपतिनाथ के प्रतिष्ठापक ब्रह्मलीन स्वामी प्रत्यक्षानंदजी ने भागवत कथा प्रवचन सत्संग के द्वारा जो धर्मजागरण की चेतना को आगे बढाया और मालवा गुजरात म.प्र. आदि जहां जहां स्वामी प्रत्यक्षानंदजी के द्वारा आश्रम स्थापित है उन सभी स्थानों में जाकर स्वामी भागवतानंदजी भगवान पशुपतिनाथ की कीर्ति को ओर अधिक यादगार बनाया। आपने कहा भगवान पशुपतिनाथ लोक का जो निर्माण हो रहा है उसमें सत्संग भवन आदि किसी एक स्थान का प्रत्यक्षानंदजी नाम पर रखा जाना चाहिए। योग गुरू बंशीलाल टांक ने कहा कि स्वामी भागवतानंदजी महाराज बहुत मधुर सहज सरल स्वभाव के थे। एक कोमल बच्चे जैसा उनका स्वभाव था। स्वामी प्रत्यक्षानंदजी के बाद उनकी आध्यात्मिक विरासत का स्वामी भागवतानंदजी ने जब तक ब्रह्मलीन नहीं हुए अच्छी प्रकार जारी रखा। स्वामीजी प्रत्यक्षानंदजी द्वारा राजस्थान म.प्र. मालवा आदि विभिन्न स्थानों पर स्थापित आश्रमों पर स्वामी भागवतानंद ने जाकर अपना सानिध्य सत्संग के माध्यम से सनातन धर्म का प्रचार करते रहे। स्वामीजी बिना भेदभाव सबके प्रति प्रेम सद्भाव होने से स्वामीजी के सत्संग प्रवचन का दर्शन का लाभ सभी समाज सम्प्रदाय लेते थे।

नगरपालिका के द्वारा पेचवर्क का कार्य प्रारंभ

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आगामी दीपावली पर्व एवं

त्योहार को ध्यान में रखते हुए नगर के नागरिकों को आवागमन में असुविधा न हो इसके लिए नगरपालिका परिषद ने नगर में सडकों के पेचवर्क का कार्य प्रारंभ कर दिया है नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर व सभापति श्रीमती निर्मला नरेश चंदवानी के निर्देश पर नगर में जहां भी रोड की हालत पेचवर्क करने लायक है वहां पेचवर्क का कार्य शुरू किया जा रहा है कल सोमवार को नगरपालिका द्वारा कालाखेत में होटल नीलम वाले रोड के पेचवर्क का कार्य प्रारंभ किया गया पेचवर्क होने से रोड की स्थिति बेहतर हो गई है यह कार्य आगामी समय में भी जारी रहेगा

जिले में 35 केंद्रों में होगा सोयाबीन खरीदी का कार्य

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में सोयाबीन उपार्जन को लेकर कलेक्टर कार्यालय सभागार में बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने सोयाबीन खरीदी के लिए बनाए गए केंद्र वाइस विस्तार से समीक्षा की। जिले में उपार्जन के लिए 24595 किसानों ने पंजीयन करवाया है। जिसमें से 24214 किसानों का सत्यापन हो चुका है। सोयाबीन खरीदी के लिए संपूर्ण जिले में 35 केंद्र बनाए गए हैं। इसमें से मंदसौर में 5 दलोदा में 2, मल्हारगढ 4, शामगढ 5, सुवासरा 4, सीतामऊ 7, भानपुरा 4 एवं गरोठ में 4 केंद्र बनाए गए हैं। सोयाबीन खरीदी के लिए स्लॉट बुकिंग का कार्य 24 अक्टूबर से शुरू होगा। वहीं 25 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक शासकीय दर 4892 रुपए प्रति क्विंटल पर सोयाबीन खरीदी का कार्य होगा। बारदार पर्याप्त हो एवं समय-समय पर परिवहन होता रहे परिवहन को लेकर कोई समस्या न हो। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल मौजूद थी।

संयुक्त उठावना एवं शोक निवारण

रमेशचंद्र जैन के भतीजे, अनिल जैन के छोटे भाई विनोद की धर्म पत्नी, पवन की भाभी, राहुल की छोटी मम्मी, पूर्वी व यश की माताजी, यथार्थ की बड़ी मम्मी एवं अनित डोसी की सासूजी एवं राजमल भावगढ़ वाले की लड़की, विशाल जैन की बहन श्रीमती कल्पना जैन बड़ौद वाला का आकस्मिक निधन 22/10/2024 मंगलवार को हो गया है । जिनका संयुक्त उठावना 23/10/2024वार बुधवार को प्रात: 10.30 बजे एवं शोक निवारण प्रात: 11 बजे स्थान राजेंद्र रिसोर्ट मंदसौर पर होगा।

शोकाकुल
रमेश, अनिल ,विनोद, पवन, राहुल, यश, यथार्थ बड़ौद वाला परिवार, सुसराल पक्ष श्री राजमल विशाल कुमार भावगढ़ वाला।

गणित विषय के 18 विद्यार्थियों की उच्च माध्यमिक शिक्षक वर्ग-1 में नियुक्ति

मंदसौर, 22 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालयब मन्दसौर के प्राचार्य डॉ. दिनेश चन्द्र गुप्ता ने बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार मन्दसौर जिले के 18 विद्यार्थियों की उच्च माध्यमिक शिक्षक वर्ग-1 में गणित विषय में नियुक्ति की गई है। डॉ. दिनेशचन्द्र गुप्ता ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मन्दसौर के पूर्व विद्यार्थी ज्योति सोनी, आयुषि जेठानिया, पुष्कर धाकड, मंशाराम धाकड, गोवर्धन जाटव, सोनाली शर्मा, मोनिका शर्मा, मनीषा शर्मा, पूजा पाटीदार, कुणाल लवाणी, पंकज मराठा, निर्मल मेहता, अश्विनी पंवार, शाहीन पठान एवं अन्य विद्यार्थी राकेश, प्रियंका, विकास एवं आरूचि प्रधान की नियुक्ति उच्च माध्यमिक शिक्षक वर्ग-1 में नियुक्ति हुई है। उल्लेखनीय हैकि आरूचि प्रधान एवं गोवर्धन जाटव ने अपने-अपने संवर्ग में मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस अवसर पर नियुक्त विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों अभिनन्दन एवं सम्मान महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष मान. श्री नरेशजी चंदवानी, प्राचार्य डॉ. दिनेशचन्द्र गुप्ता, विभागाध्यक्ष गणित डॉ. टी.के. झाला एवं महाविद्यालय परिवार द्वारा किया गया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

*** पूजारी चाहिए ***

श्री हरिहर धाम

वेदांत विहार, लक्ष्मी नगर, अभिनंदन रोड, मंदसौर मंदिर में विराजित दिव्य प्रतिमाओं के पूजन और आरती के लिए पूजारी की आवश्यकता है।

**** संपर्क समय ****

दोपहर 2 बजे से शाम 06 बजे तक

मो. 9424033322, 9425105927

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक/पु.अ./मंदसौर/र.नि./सूबे./3240/2024 दिनांक-16.10.2024

** खुली निविदा आमंत्रण विज्ञप्ति **

जिला मंदसौर में वित्तीय वर्ष 2024-25 लघु निर्माण कार्य के अंतर्गत निम्न निर्माण कार्य कराये जाने हेतु ऑनलाईन खुली निविदाएं समय सारणी अनुसार www.MPTenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निर्माण कार्यों का विवरण निम्नानुसार है।

क्रं.	प्रस्तावित कार्य का नाम	स्वीकृत राशि	धरोहर राशि	कार्य की अवधि	कार्यालय
1	थाना कोतवाली में अतिरिक्त कक्ष निर्माण	4,99,941/-	14,998/-	30 दिवस	पुलिस अधीक्षक मंदसौर
2	थाना पिपलियामंडी में अतिरिक्त कक्ष निर्माण	4,99,941/-	14,998/-	30 दिवस	पुलिस अधीक्षक मंदसौर

समय सारणी

क्रं.	विवरण	दिनांक/समय
1	निविदा प्रकाशन दिनांक	18.10.2024 के 12.00 बजे से
2	निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक	19.10.2024 के 10.00 बजे से
3	निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	01.11.2024 के 17.00 बजे तक
4	निविदा खोलने की दिनांक	04.11.2024 के 13.00 बजे

अतः उपरोक्त निर्माण कार्यों के पृथक-पृथक टेण्डर www.MPTenders.gov.in की वेबसाईड पर प्रसारित किये गये है। इच्छुक निविदाकर्ता अधिक जानकारी के लिए समस्त दस्तावेज, निविदा शर्ते उक्त वेबसाईड एवं रक्षित निरीक्षक पुलिस लाईन मंदसौर से प्राप्त कर सकते है।

पुलिस अधीक्षक
जिला मंदसौर

G-17910/24 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in